अपील

हालात बड़े संगीन हैं। हर तरफ़ पश्चिमी सभ्यता का बोलबाला है। हमारी नस्लें पश्चिम की दिशा में तेज़ी से बढ़ रही हैं। ऐसे फ़ित्ने भरे दौर में ज़रूरी है कि इस्लाम की शिक्षाओं को आम किया जाए और मुस्लिम औरतों को अज़वाज–ए–मुतह्हरात द्धरसूलुल्लाह स0अ0 की पत्नियांऋ की तर्ज़ पर ज़िन्दगी गुज़ारने का सलीक़ा सिखाया जाए और नबवी शिक्षाओं से परिचित कराया जाए।

मोहतरम हज़रात! हम अपने एतबार से इस मुहिम में शरीक हैं और आप लोगों को भी इस मुहिम में हिस्सा लेने की दावत देते हैं और तमाम अहले ख़ैर हज़रात से दरख़्वास्त है कि मुस्लिम छात्राओं के इस दीनी इदारे की तरक़्क़ी में हाथ बटाएं और हर मुमकिन मदद करें। अपने इलाक़े के लोगों को बच्चियों की दीनी तालीम की तरफ़ राग़िब करें और यह मेरी एक राय है कि हर एक अपने ज़िम्मे एक छात्रा की पढ़ाई का पूरा ज़िम्मा ले और उसे अल्लाह की रज़ा की ख़ातिर, सवाब की उम्मीद रखते हुए तआउन फ़रमाएं।

आपका योगदान पाने के लिए उस्ताद और सफ़ीर आपकी ख़िदमत में लगातार पहुंचते रहते हैं। उनका हर तरह से सहयोग करके जामिया की उन्नति व निर्माण में हिस्सा लें।

तालिबाते इल्मे नुबूव्वत के इस तरबियती प्रोग्राम को आगे बढ़ाने में मदद करें। अल्लाह आपकी मेहनत को ज़ाया नहीं करेगा। चेक और ड्राफ़्ट के ज़रिये सहायता निम्न प्रकार भेज सकते हैं:

Madrasa Aisha Lilbanat
A/C. No. 00520200000026
BANK OF BARODA
Raebareli (U.P.)
Ifsc Code: BARB0RAEBAR

प्रबन्धक जामिया

मुहम्मद मआज़ हुसैनी नदवी

मो. 9415955780

जामिया उम्मुल मोमिनीन आयशा-अल इस्लामिया लिलबनात

बड़ा कुआँ, रायबरेली (यू0पी0) 229001

Estd. : 1985

ज़ेरे सरपरस्ती

हज़रत मौलाना सैय्यद मुहम्मद राबे हसनी नदवी

मान्यता प्राप्त

समकक्ष इण्टरमीडिएट

1. दारुल–उलूम नदवतुलउलमा, लखनऊ
2. मदरसा तालीमी बोर्ड उ0प्र0, लखनऊ
3. अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़

प्रबंधन

मौलाना मुहम्मद सानी हसनी

मेमोरियल एजुकेशनल सोसाइटी

दायरा शाह अलमुल्लाह, तकिया कलां, रायबरेली (यू0पी0)

मोबाइल: 9415955780

जामिया का संक्षिप्त परिचय

जामिया उम्मुलमोमिनीन आयशा लिलबनात अल–इस्लामिया बच्चियों का एक दीनी तालीमी इदारा है जो रायबरेली शहर के अंदरून किला बड़ा कुआं के नज़दीक में ज़ेरे सरपरस्ती हज़रत मौलाना सैय्यद मुहम्मद राबे हसनी नदवी द्वारा क़ायम किया गया है। जहां पर इस समय देश के कई शहरों के और करीब के लगभग 500 से भी अधिक तालिबात तालीम हासिल कर रही हैं, जिनके रहने के लिए एक शानदार इमारत है, जहां हर तरह की सहूलतें मौजूद हैं। बेहतर बिजली व पानी और दवा व इलाज करवाने के लिए गाड़ी का इन्तिज़ाम है। रहने के लिए हॉस्टल व पढ़ने के लिए कक्षाएं व पुस्तकालय और खाना खाने के लिए एक बड़ा हॉल जिसमें मेज़ और बेंच इत्यादि लगी हुई है।

इस मदरसे की स्थापना के अवसर पर हज़रत मौलाना सैय्यद अबुल हसन अली हसनी नदवी ने फ़रमाया था कि आपको मालूम है कि दीन में, दीन के एहकाम और मसाएल, फ़राएज़ में इबादतों में और इल्म में कम से कम हमारा जिस उम्मत व दीन से संबंध है, उसमें औरतों को नज़रअंदाज़ नहीं किया गया है। उनके लिए नमाज़ रोज़ों के ख़ास मसले हैं और नमाज़ रोज़ों और हज के अलावा दूसरे मसलों में भी बराबर की वह शरीक हैं, इसलिए मैं मुबारकबाद देता हूं उन लोगों को जिन लोगों ने इस मदरसे की स्थापना में कठिन मेहनत की है। इसका फ़ायदा मेरे शहर वालों और मेरे हम वतनों को और स्थापित करने वालों के ख़ानदान को पहुंचेगा।

हज़रत मौलाना सैय्यद मुहम्मद राबे हसनी नदवी (मद्दज़िल्लहुल आली) ने इस इदारे की यूं मंज़रकशी की है:

''मुस्लिम छात्राओं की दीनी शिक्षा के लिए रायबरेली में मौलाना मुहम्मद सानी हसनी एजुकेशनल सोसाइटी की तरफ़ से मदरसा आयशा अलइस्लामिया लिलबनात की स्थापना 1985ई0 में हुई जिसका शिलान्यास हज़रत मौलाना सैय्यद अबुल हसन अली हसनी नदवी (रह0) ने अपने मुबारक हाथों से की थी।

यह मदरसा कुछ सालों में तरक़्क़ी करके अब जामिया उम्मुल मोमिनीन

आयशा अलइस्लामिया लिलबनात की शक्ल में दीनी व इल्मी ख़िदमत अंजाम दे रहा है, जिसमें छात्राओं की बड़ी संख्या शिक्षा प्राप्त कर रही है। और हॉस्टल व खाने तथा प्रशिक्षण की अच्छी व्यवस्था है। कार्यकर्ताओं की ख़िदमत और मेहनत व कोशिश से दिन पर दिन जामिया तरक़्क़ी की राह पर आगे बढ़ रहा है और इलाक़े में इसके दीनी व तालीमी फ़ायदे महसूस किये जा रहे हैं। इस दौर में ऐसे मदरसों की सख़्त ज़रूरत है जहां मुसलमान छात्राओं की शिक्षा व प्रशिक्षण की पूरी व्यवस्था हो।''

इससे संबंधित हर व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि इस तरह के इदारों की हर तरह से मदद करे और मदरसे की हिफ़ाज़त और तरक़्क़ी को अपना ज़िम्मा समझे।

शिक्षा

जामिया में प्राइमरी दर्जों के साथ आलिमियत व हिफ़्ज़ कुरआन की शिक्षा की भी व्यवस्था है। हाईस्कूल या इण्टर पास छात्राओं के लिए एक पांच साल का आलिमियत का कोर्स रखा गया है। जामिया के निम्नलिखित विषय उच्च श्रेणी की शिक्षिकाओं द्वारा पढ़ाए जाते हैं।

1. हिफ़्ज़ कुरआन
2. नाज़रा कुरआन
3. दीनियात
4. अरबी
5. उर्दू
6. इंग्लिश
7. हिन्दी
8. भूगोल
9. साइंस
10. हिसाब
11. ख़ितावत
12. निबन्ध लेखन
13. सिलाई–कढ़ाई

14. पेन्टिंग इत्यादि।

दीनी व अख़लाक़ी तरबियत के लिए दीनी बैठक होती है, जिसमें नमाज़ रोज़ा और रोज़मर्रा की दुआएं याद करायी जाती हैं और अल्लाह का शुक्र है कि इसका फ़ायदा भी नज़र आ रहा है। यही वजह है कि इल्मे दीन के प्यासों की भीड़ लग जाती है और बहुतों को जगह न होने की वजह से वापस भी होना पड़ता है। हॉस्टल में चार सौ पचास छात्राओं (450) की जगह है, इसलिए सीटें भरजाने के बाद दाख़िला बन्द हो जाता है।

दाख़िले की शर्तें

जामिया में ईद के बाद 11 शव्वाल से दाख़िला प्रारम्भ हो जाता है और हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं की उम्र कम से कम दस व र्ा ज़रूरी है ताकि अपने ज़रूरी काम अपने हाथों से पूरा कर सकती हों।

हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं का वार्षिक खर्च लगभग सोलह हज़ार रूपये है जो कि आगामी सत्र 2020–21 में इसमें बढ़ोत्तरी होने की भी संभावना है। इसलिए जामिया अपने बजट के हिसाब से कुछ ग़रीब और यतीम बच्चों के खाने का ख़र्च उठाता है ताकि उनकी तालीम हासिल करने में रुकावट न बने।

दाख़िले के समय आवश्यक काग़ज़ात

1. छात्राओं की 4 पासपोर्ट साइज़ फ़ोटो।
2. महरम गारजन की 4 पासपोर्ट साइज़ फ़ोटो।
3. नये दाख़िले के लिए पिछले साल की मार्कशीट व टी.सी.।
4. छात्रा तथा उसके पिता का आधार कार्ड (सही नाम व पता और उम्र के साथ और मां–बाप की बैंक पासबुक जो खाता चल रहा हो और उसमें दो महीने का स्टेटमेंट हो) की फ़ोटोकापी
5. तहसील से बना हुआ इनकम सर्टिफ़िकेट जो छः महीने से अधिक पुराना न हो।
6. निवास प्रमाणपत्र।

7. छात्रा की फ़ोटो माता के साथ (दस रुपये के शपथपत्र के साथ)

आमदनी का ज़रिया

जामिया के पास आमदनी का कोई स्थायी ज़रिया नहीं है। लेकिन ख़र्चों की सूची बहुत बड़ी हैं। उस्तादों की तनख़्वाहें खुराक़ी खर्च का महत्वपूर्ण मसला होता है, इसलिए छात्राओं से फ़ीस के तौर पर एक मामूली फ़ीस ली जाती है जो आज के इस मंहगाई के दौर में इख़राजात को पूरा करने में असमर्थ है। अक्सर अधिकतर ऐसी छात्राएं भी हैं जोकि मामूली फ़ीस देने में भी असमर्थ हैं। कक्षाओं की इमारत के ऊपर पहली मंज़िल की सख़्त ज़रूरत है। सवाब की उम्मीद रखते हुए, इमारत की स्थापना में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

जामिया की एक झलक

शिक्षिकाएं	40
हास्टल रूम	37
कर्मचारी	20
क्लासरूम	21
हास्टल में छात्राएं	400
हाल	03
शहर की छात्राएं	100
लाइब्रेरी	01